दूसरों को माफ करें और हिसाब-किताब साफ करें

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

आज आप एक होमवर्क करिए। पहला, अपने जीवन की प्राथमिकता अपने कर्म और अपने संस्कारों को बनाएं। लोग हमेशा हमारे साथ परफेक्ट व्यवहार नहीं करेंगे। लेकिन याद रखिए, वो तमाम बातें या लोग हमारे साथ नहीं जाने वाले हैं, जो उन्होंने आज किया वो भी साथ नहीं जाने वाला है। लेकिन उनके बारे में हमने जो आज सोचा वो भी नहीं साथ जाने वाला है। क्या ये संभव है कि कोई हमारे साथ गलत करे और हम उनके लिए अच्छा सोचें? क्या ये संभव है कि कोई हमारे साथ गलत करें हम उनको दुआएं दें? इस पर विचार करें क्योंकि इसी से आपका जीवन बदलेगा।

चलिए आज थोड़ा आत्म विश्लेषण करते हैं। एक बार देखिए कि आपने कितनी बातें पकड़कर रखी हुई हैं। 'इसने वो किया, इसने उस दिन मेरे साथ ऐसा किया, उसने पिछले साल ऐसा किया, उसने उस दिन बुलाया था, ठीक से बात नहीं की, उस दिन उसने फोन नहीं किया...'। ऐसी न जाने कितनी सारी बातें हैं, जिन्हें हमने मन में पकड़कर रखा हुआ है। अब अपने आप से पूछिए कि इसमें से कौन सी ऐसी बात है, जो मेरे साथ आगे जाने लायक है। अगर नहीं है तो खत्म कब करना होगा? शरीर तो कभी भी छूट सकता है। इसका मतलब ये नहीं कि हम सारा दिन सोचते रहें कि मैं मरने वाला हूँ, नहीं। इसका मतलब है कि हम सदा तैयार रहते हैं कि आत्मा किसी भी क्षण शरीर छोड़ सकती है। इसलिए मुझे जो कुछ यहां छोड़ना है। वो अभी छोड़ना है। मुझे समय नहीं मिलेगा बीच में छोड़ने के लिए। अगर मैंने शरीर छोड़ने से पहले उन बातों को नहीं छोड़ा, तो वो बातें मेरे साथ जाती हैं। और नया भाग्य उन बातों के साथ शुरू होता है।

इसीलिए पंडित जी कहते हैं वैसे तो सब कुछ अच्छा है लेकिन ये साल बहुत भारी है। ये चार साल बहुत भारी हैं, फिर अगला साल बहुत भारी है। ये जो सारे भारी साल आते हैं ये वो वाले साल होते हैं, जो हम भारी बातों को पकड़कर लाए थे। क्योंकि उन बातों को खत्म करने का हमें समय ही नहीं मिला। अगर खत्म करने का समय मिला तो हमने खत्म नहीं किया। क्योंकि जिस बात को हम खत्म नहीं कर पाए, उन्हें साथ जाते समय भी खत्म नहीं कर पाएंगे। ये निश्चित है।

संस्कार जाते समय पैदा नहीं किए जाते। वो जीते हुए हमारे पास होने चाहिए। लेकिन उसके लिए हर रोज़ परमात्मा का जो सबसे बड़ा तोहफा हमें मिलता है वो है ज्ञान। जैसे हमारी सबसे बड़ी गिफ्ट जो हमारे बच्चों को मिलती है, वो होती है हमारी राय, हमारी समझ, हमारे अनुभव। आप अपने बच्चों को क्या कहते हैं गलती मत कर, मेरे अनुभव से सीख ले। वो ऐसे प्यार से सुनता है फिर वो अपनी करने लग जाता है। परमात्मा हमें ज्ञान देते हैं लेकिन ज्ञान के साथ हमें चाहिए शक्ति। उस ज्ञान को धारण करने के लिए। क्या ये संभव है कि कोई हमारे साथ गलत करे हम उनको दुआएं दें?

ये सुनने में थोड़ा अव्यावहारिक लग सकता है। पर गहराई से चिंतन करने पर आपको जवाब मिल जाएगा। सामने वाले ने आपके साथ गलत किया, लेकिन उसके रिटर्न में क्या हमने दुआएं देकर श्रेष्ठ कर्म किया? हमने ऊपर तौर पर कोई जवाब नहीं दिया। मतलब गलत नहीं बोला, पर क्या मन में भी गलत नहीं सोचा? इससे भी आगे की बात कि क्या आप उससे दुःखी नहीं हुए, परेशान नहीं हुए, दर्द नहीं हुआ, और सबसे ज़रूरी बात कि क्या उसको शुभभावना और दुआएं देकर श्रेष्ठ कर्म किया। क्या ये संभव है। इसका अभ्यास अभी से करें। आंखे बंद करें एक मिनट के लिए और सीधा बैठें। उस आत्मा को सामने लेकर आएं। चेहरा नहीं लाना, रिश्ता भी नहीं, सिर्फ आत्मा है वो। मैं आत्मा हूँ, वो आत्मा है। इन्होंने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। मेरे पिछले कर्मों का इनके साथ हिसाब-किताब था। आज मुझ आत्मा को उस हिसाब - किताब को बदलना है।

हमेशा याद रखना है गांठें अगर मन में बनाकर रखीं और जब आत्मा शरीर छोड़ेगी तो गांठे साथ ही जाएंगी। वो जो आज हमें तंग कर रहे हैं ये वो ही हैं, जिनके साथ पिछली बार हम गांठें खोलकर नहीं आए थे। इसलिए तो वो हमारे सामने आए हैं। अगर हम इस बार भी गांठें नहीं खोलेंगे, अगर इस बार भी हम दुआएं देकर हिसाब-किताब को ठीक नहीं करेंगे तो हम फिर मिलेंगे और जब हम फिर मिलेंगे तो मुश्किलें इस बार से भी ज़्यादा बढ़ी हुई होंगी। हिसाब-किताब कैरी फॉरवर्ड-कैरी फॉरवर्ड होता जा रहा है। खोलो उसको एक सेकंड में पूर्ण विराम लगाओ और खत्म करो। गलती चाहे कितनी भी बड़ी हो। दुआ और क्षमा एक संकल्प है ना।

विकासनगर-देहरादून। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा टाइम्स वर्ल्ड स्कूल में आयोजित 'ज़िंदगी बने खुशहाल' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरकवक्ता ब्र.कु. शिवानी बहन, राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, ब्र.कु. तारा बहन, सरदार जशनदीप जी, विधायक मुन्ना सिंह चौहान व अन्य। कार्यक्रम में शहर के अनेक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, अध्यापक तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उच्चचैन-भरतपुर(राज.)। भगवान दास,मुख्य प्रबंधक,पंजाब नेशनल बैंक उच्चैन को ईश्वरीय ज्ञानचर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य प्रदान करते हुए ब्र.कु. कविता दीदी,भरतपुर तथा ब्र.कु. ज्योति बहन,उच्चचैन।

रामपुर-मनिहारान(उ.प्र.)। चेयरमैन प्रतिनिधि कुलदीप बालियान को ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउण्ट आबू राजस्थान में होने वाले राजनीतिक सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. संतोष दीदी।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ के हरपाल नगर इगलास तथा हाथरस के आनंदपुरी कॉलोनी सेवाकेंद्र द्वारा 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वस्थ एवं समृद्ध समाज-मीडिया की भूमिका' विषय पर संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. दशोरा, ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्र.कु. सुशान्त भाई, इगलास पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव ओम शर्मा सहित प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के दो दर्ज़न से अधिक पत्रकार शामिल हुए।

रशिया-सेंट पीटर्सबर्ग। ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर,लाइट हाउस में 'यूथ फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' विषय पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम के तहत 'शिक्षा में मूल्यों के बारे में संवाद' में रूसी संघ के राष्ट्रपति के अधीन रूसी एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड सिविल सर्विस के विभाग प्रमुख अनातोली लिखतिन, सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रह्माकुमारीज़ की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, सेंट पीटर्सबर्ग मेडिकल अकादमी के पूर्व रेक्टर,प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ,लेखक और विज्ञान प्रशासक प्रो. अलेक्ज़ेंडर शाब्रोव, सेंट पीटर्सबर्ग सोशल एंड इकोनॉमिक इंस्टीट्यूट की रेक्टर,महिला गठबंधन की अध्यक्ष ऐलेना कलिनिना, सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजीज़ एंड डिज़ाइन के अध्यक्ष,पूर्व ओलम्पिक चैम्पियन एवं साइकिल रेसिंग में विश्व चैम्पियन प्रो. विक्टर रोमानोव सहित अन्य प्रतिष्ठित लोग शामिल रहे।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000
Website: www.omshantimedia.org